दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 4)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)-M-GS14

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Firoj Alam

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDi

Reg. Number: Awake-19/F005

Center & Date: 05/08/19

UPSC Roll No. (If allotted): 0833129

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में सहकारी संघवाद के संबंध में कौन-से संवैधानिक प्रावधान हैं? साथ ही प्रतिस्पर्द्धी संघवाद को बढ़ावा देने के लिये नीति आयोग द्वारा हाल ही में किये गए कुछ उपायों पर भी चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the Constitutional provisions regarding cooperative federalism in India? Also discuss some of the recent measures taken by NITI Aayog to foster competitive federalism. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सहकारी संघवाद में केंद्र व राज्य साथ में मिलकर कार्य करते हैं।

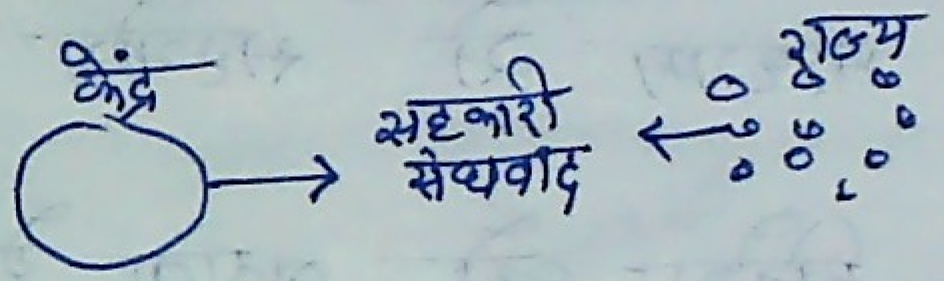

संवैधानिक प्रावधान

① 7वीं अनुसूची – इस अनुसूची में केंद्र व राज्यों के स्पष्ट क्षेत्र का विभाजन किया गया है।

② अनु॰ 275 व 278 → केंद्र द्वारा राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती।

③ Art-280 → वित्त आयोग केंद्र-राज्यों के मध्य वित्तीय बंटवारों की सिफारिश करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नीति आयोग ने 1 जन 2015 के बाद सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:—

① SDG का मूल्यांकन राज्यों के सहयोग से किया गया।

② शिक्षा सूचकांक तथा स्वास्थ्य सम्बंधित सूचकांकों के माध्यम से सहयोग।

③ राज्यों में निवेश को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

सुझाव

① CBI, CVC तथा Art-356 से सम्बंधित मुद्दों का समाधान करने का भी प्रयास करना चाहिए।

राजनीतिक-आर्थिक संघीय व्यवस्था पर ही टिकी है अतः इसे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. सोशल मीडिया के युग में आदर्श आचार संहिता (एम.सी.सी.) का प्रवर्तन चुनौतीपूर्ण हो गया है। स्पष्ट कीजिये। इस संबंध में भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किये गए कुछ उपायों का भी उल्लेख कीजिये। (150 शब्द) 10

Enforcement of Model Code of Conduct (MCC) has become challenging in the era of social media. Elucidate. Also mention some of the measures taken by the Election Commission of India in this regard. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आदर्श आचार संहिता (MCC) को निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव आयोजित कराने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा लागू किया जाता है।

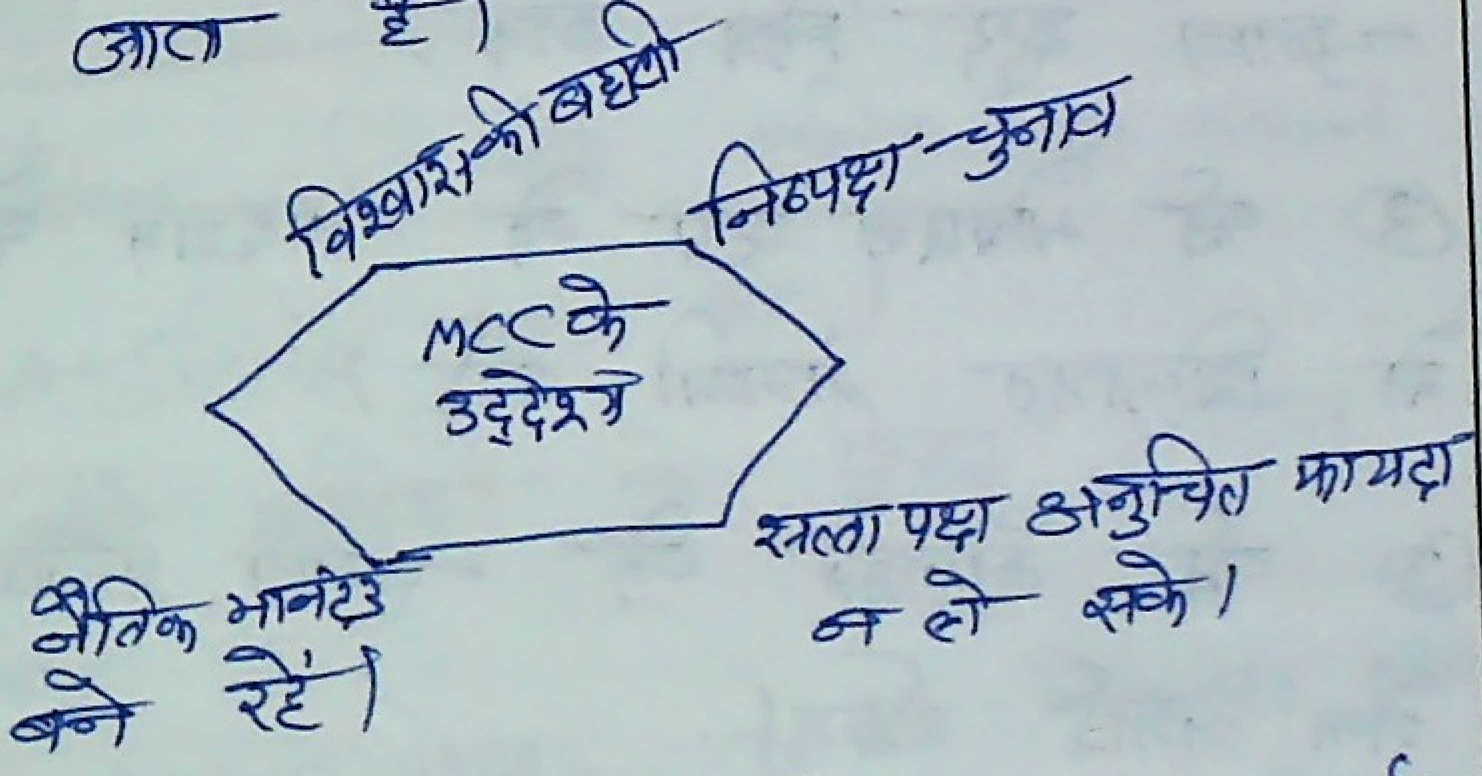

सोशल मीडिया के युग में MCC का प्रवर्तन चुनौतीपूर्ण क्यों?

① सूचनाओं की शुरुआत (उद्भव) का पता नहीं चल पाता।

② सूचनाओं का प्रसारण तेजी से होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

③ फेक न्यूज बढ़ती जा रही हैं।
④ डेटा स्थानीयकरण का अभाव।

अनु० 324 व जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अनुसार चुनाव आयोग ने विभिन्न कदम उठाए हैं -
① तमिलनाडु के वेल्लोर संसदीय क्षेत्र का चुनाव रद्द किया गया।
② कई मोबाइल एप के माध्यम से जनता से शिकायत मंगायी गई।
③ कई नेताओं के चुनाव प्रचार पर रोक लगाई गई।

सुझाव
① MCC को वैधानिक आधार प्रदान करना चाहिए।
② जनता को अधिक जागरूक करना चाहिए।

निष्कर्ष स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हेतु MCC को लागू करवाना आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. किन परिस्थितियों में एक विधायक को दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित किया जा सकता है? क्या आप सहमत हैं कि इसके लाभप्रद परिणाम के अपेक्षाकृत दुष्प्रभाव अधिक हैं? (150 शब्द) 10

What are the circumstances under which a legislator can be disqualified under anti-defection law? Do you agree that it has caused more harm than good? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

52वे संशोधन अधिनियम 1985 के द्वारा 10वीं अनुसूची में दल-बदल के प्रावधान को जोड़ा गया।

अयोग्य घोषित करने हेतु प्रावधान

(1) बिना पार्टी को सूचित किए मतदान से अनुपस्थित रहा हो।
(2) पार्टी आदेशों के विरुद्ध मतदान किया हो।
(3) स्वतंत्र उम्मीदवार चुनाव के बाद किसी दल की सदस्यता ग्रहण कर ले।
(4) मनोनीत सदस्य के द्वारा 6 महीने के बाद कोई दल join कर लिया गया हो।

इस कानून के फायदे व नुकसान दोनों ही हुआ है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नुकसान

① सदस्यों की वाक्-अभिव्यक्ति स्वतंत्रता बाधित हुई है।

② पार्टी द्वारा व्हिप जारी कर दी जाती है। इससे सदस्य अपनी इच्छानुसार निर्णय नहीं ले पाते हैं।

फायदे

① पार्टी अनुशासन को बढ़ाया है।

② 1985 से पहले की अपेक्षा दल-बदल कम हुआ है।

कर्नाटक, गोवा व महाराष्ट्र में हाल ही में दल-बदल देखे गए। अतः इस कानून के प्रावधानों की पुनः समीक्षा होनी चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. राष्ट्रपति और राज्यपालों के अध्यादेश लागू करने की शक्तियों से संबंधित विभिन्न मुद्दे क्या हैं? साथ ही अध्यादेश लागू करने की शक्ति के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु संरक्षोपायों का उल्लेख कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the various issues around ordinance making power of President and Governors? Also discuss the safeguards which are in place to prevent misuse of ordinance making power. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रपति अनु० 123 व राज्यपाल अनु० 213 के अंतर्गत निम्नलिखित परिस्थितियों में अध्यादेश जारी कर सकते हैं —

1) जब संसद सत्र न चल रहा हो।

2) जब ऐसी परिस्थितियाँ हो कि कानून बनाना अति आवश्यक हो।

मुद्दे

→ ① इसके माध्यम से संसद की कार्यवाही से बचने का प्रयास किया जाता है।

→ ② किसी मुद्दे पर विपक्ष की राय का अभाव हो जाता है।

→ ③ संसदीय समितियों की भूमिका निष्प्रभावी हो जाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसके लाभ

① असमान्य परिस्थितियों में देश की सुरक्षा व अखण्डता में वृद्धि होती है।

② संसदीय सत्र सम्पूर्ण वर्ष नहीं चलते। अतः इमरजेंसी प्रावधानों के लिए यह आवश्यक है।

दुष्प्रभाव

① महत्वपूर्ण मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना से बचने का प्रयास।

② संसदीय मूल्यों का ह्रास होता है।

सुरक्षोपाय

① 6 सप्ताह के अंदर इसे संसद में प्रस्तुत करना आवश्यक है।

② किन परिस्थितियों में यह लाया गया यह भी बताना आवश्यक होता है।

राष्ट्रपति व राज्यपाल द्वारा इस प्रावधान अति आवश्यक परिस्थितियों में ही प्रयोग करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. लोकपाल के कर्त्तव्य और शक्तियाँ क्या हैं? क्या लोकपाल का पद सरकार और अन्य, जिनकी जाँच हेतु इसे आज्ञापित किया गया है, से स्वतंत्र है? (150 शब्द) 10

What are the duties and powers of Lokpal? Is the office of the Lokpal independent of the government and others whom it is mandated to scrutinise? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज पिनाकी चंद्र घोष को भारत का पहला लोकपाल नियुक्त किया गया।

कर्तव्य

① भ्रष्टाचार को रोकना।

② पारदर्शिता को बढ़ाना।

③ सरकार व प्रशासन को जनता के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाना।

④ भ्रष्ट लोगों के विरुद्ध कार्यवाही करना।

शक्तियाँ

① इसके दायरे में प्रधानमंत्री, मंत्रियों से लेकर ग्रुप A से D तक के सभी अधिकारी-कर्मचारी आएंगे।

② CBI भी लोकपाल के मामलों में इसके अधीन होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ विशेष न्यायालयों के गठन के माध्यम से 6 महीने में केस को निपटना होगा।

स्वतंत्रता

① इसकी नियुक्ति 6 सदस्यों की समिति द्वारा की जायगी।

② सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों की तरह ही हटाया जा सकता है।

③ वेतन-भत्ते व पेंशन संचित निधि पर आधारित है।

अतः लोकपाल को पर्याप्त रूप से स्वतंत्रता दी गई है क्योंकि सरकारी अधिकारियों की जांच करने से पहले सरकार की सिफारिश आवश्यक है।

लोकपाल को निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए ताकि भ्रष्टाचार को दूर किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. भारत में सुशासन के मार्ग में आने वाली कुछ प्रमुख बाधाओं को गिनाइये। इन बाधाओं को ध्यान में रखते हुए सुशासन के लिये आवश्यक पूर्व-शर्तों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Enumerate some of the key barriers to good governance in India. Taking cues from these barriers, discuss the necessary pre-conditions for good governance. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुशासन उत्कृष्ट शासन की अवधारणा है।

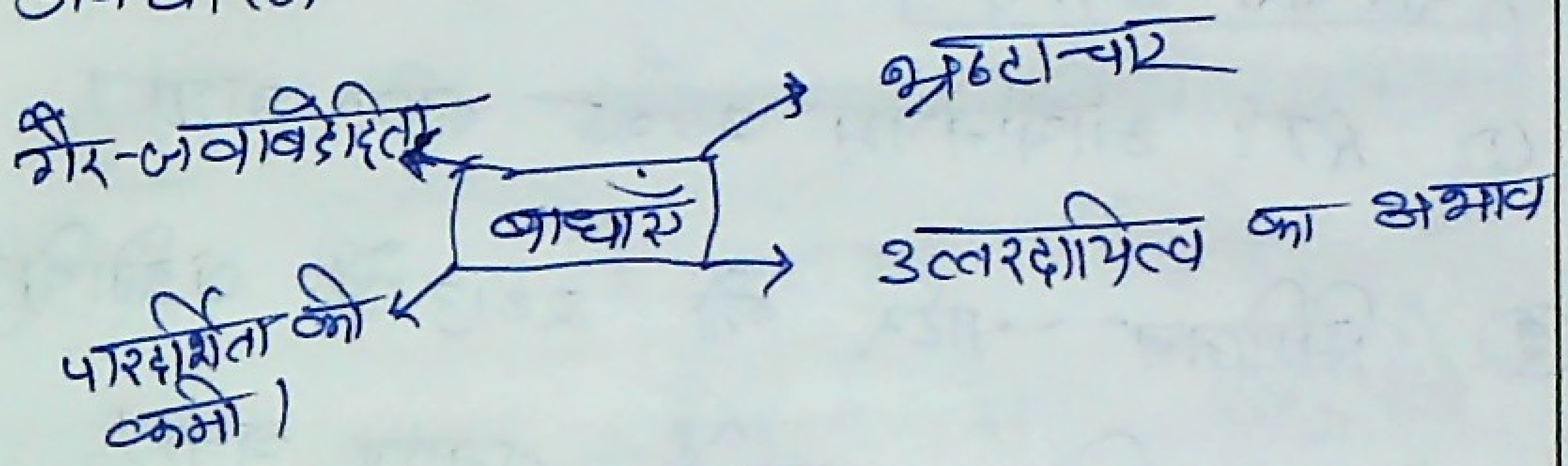

सुशासन के लिए आवश्यक पूर्व शर्तें

(1) जवाबदेहिता को बढ़ाना होगा।

(2) डिजिटल इंडिया के माध्यम से ई-गवर्नेंस को बढ़ाना होगा।

(3) पारदर्शिता के लिए RTI, सिटिजन चार्टर आदि को लागू करना होगा।

(4) सोशल ऑडिट के माध्यम से जनता को सहभागी बनाया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) अधिकारियों की यथास्थितिवादी मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा।

सरकारी प्रयास

(1) RTI अधिनियम 2005 लाया गया।

(2) सिटिजन चार्टर को 2013 में संशोधित करके अधिक पारदर्शी बनाया गया।

(3) सेवोत्तम मॉडल लागू करने का प्रयास।

(4) DBT के माध्यम से लीकेज को कम करने का प्रयास।

सुझाव

(1) सुशासन के लिए अब सरकार को अधिकाधिक सूचनाएं जनता के पास पहुंचानी चाहिए।

(2) ई-शासन को बढ़ावा दिया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. अनुच्छेद 370 की संवैधानिक स्थिति क्या है? वर्तमान परिदृश्य में इससे संबंधित मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What is the Constitutional status of Article 370? Discuss issues and challenges related to it in the current scenario. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनु॰ 370 के माध्यम से J&K को विशेष प्रावधान किए गए है। अनु॰370 की संवैधानिक स्थिति अस्थायी प्रकृति की है तथा किसी भी समय अन्य आदेश से राष्ट्रपति के द्वारा जम्मू-कश्मीर की विधानसभा की सहमति से इसे हटाया जा सकता है।

Art-370 से सम्बंधित मुद्दे

(1) इससे केंद्र के द्वारा GST, आरक्षण, DPSP जैसे विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने मे समस्या आती है।

(2) इससे जम्मू कश्मीर का अलग संविधान व झण्डा है जिसके कारण वहाँ के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोगों में अलगाववाद की भावना आती है।

③ सहकारी संघवाद की भावना प्रभावित होती है।

चुनौतियाँ

① जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की समस्या। ~~के कारण है अभी~~

② इस प्रावधान को J&K विधानसभा की सहमति से हटाया जा सकता है।

③ इस मुद्दे पर राज्य-केंद्र की पूर्ण सहमति नहीं बन पाती है।

केंद्र-राज्य सम्बंधों को अधिक मजबूत बनाने तथा J&K को युवाओं को देश की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए इस प्रावधान को हटा देना उचित हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. आपके अनुसार भारत में लोक सेवाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख विकार कौन-से हैं? क्या लोक सेवाओं में पार्श्व प्रवेश (लेटरल एंट्री) इनमें से कुछ विकारों का समाधान कर सकता है? (150 शब्द) 10

What do you think are some of the major ailments afflicting civil services in India? Can lateral entry in civil services address some of these ailments? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोक सेवाएँ सार्वजनिक सेवाओं को प्रदान करने व देश के सामाजिक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

लोक सेवाओं को प्रभावित करने वाले विकार

① अब विशेषज्ञता (S&T, पर्यावरण) का युग भी है जबकि लोक सेवाएँ सामान्य ज्ञान रखती हैं।

② राजनीतिक हस्तक्षेप।

③ निजी क्षेत्र के साथ सौहार्दपूर्ण कार्य नहीं कर पाती।

④ बासवान समिति के अनुसार देश मे 1500 IAS की शॉट आती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकार ने उच्च पदों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती का निर्णय लिया है।

लेटरल एंट्री से कुछ विकारों का समाधान

(1) विषय-विशेषज्ञों को भर्ती किया जा सकता है।

(2) खाली पदों की समस्या का समाधान हो जाएगा।

(3) निजी अनुभवों का फायदा स्थापित लोकसेवकों को भी होगा।

अब बदलते युग के अनुसार सामान्यज्ञ के साथ विशेषज्ञों की भी आवश्यकता है।

यदि सरकार निजी सहयोग के माध्यम से 2024-25 तक 5 ट्रिलियन US$ अर्थव्यवस्था बनाना चाहती है तो लेटरल एंट्री से फायदा हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. एक कमज़ोर विपक्ष सत्ताधारी सरकार को तो खुश कर सकता है परंतु यह लोकतंत्र के हितों को नहीं साधता है। भारत में हालिया आम चुनावों के परिणाम के आलोक में इस कथन की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A weak opposition may make the government of the day happy but it does not serve the cause of democracy. Discuss the statement in light of the outcome of recent general elections in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

17वीं लोकसभा में सत्ता पक्ष को 320 से अधिक सीट मिली जिस कारण लोकसभा में विपक्ष की स्थिति कमजोर हो गई है।

कमजोर विपक्ष सत्ताधारी सरकार के लिए अच्छा कैसे

1) सरकारी नीतियों की आलोचना नहीं होगी।

2) सरकार की कमजोरियों को प्रभावी रूप से जनता के सामने नहीं ला पायेंगे।

3) सरकार अपने अनुसार अधिनियम बना सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कमजोर विपक्ष, लोकतंत्र के लिए खतरा

1) लोकतांत्रिक प्रक्रिया वाद विवाद पर निर्भर करती है। विपक्ष कमजोर होने से सकारात्मक बहस नहीं हो पायगी।

2) सत्ता पक्ष लोकतांत्रिक संस्थाओं में हस्तक्षेप कर सकता है।

3) मुद्दों को विपक्ष के दृष्टिकोण से नहीं देखा जायगा।

स्वस्थ व संरचनात्म लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना आवश्यक है क्योंकि वह सत्ता पक्ष की सकारात्मक आलोचना करता है तथा मनमाने कानूनों से बचाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (पी.वी.टी.जी.) के निर्धारण हेतु अनुपालित मानदंडों का उल्लेख कीजिये। उनके द्वारा किन मुद्दों का सामना किया जाता है? साथ ही इन मुद्दों के समाधान के लिये सरकार द्वारा किये गए उपायों का भी उल्लेख कीजिये। (150 शब्द) 10

State the criteria followed for the determination of Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs). What are the issues faced by them? Also mention the measures taken by the government to address these issues. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ढेबर समिति की अनुशंसाओं पर 1973 में जनजातियों के मध्य कमजोर जातियों को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) घोषित किया गया।
18 राज्यों व अण्डमान-निकोबार में PVTGs का निवास है।

PVTG के निर्धारण हेतु मानदण्ड

1) जनसंख्या का स्थिर होना या घटती हुई दर।
2) सामाजिक अलगाव।
3) आर्थिक रूप से पिछड़ापन।
4) विशिष्ट सांस्कृतिक मूल्य।
5) अशिक्षा व निर्धनता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

PVTG द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दे

1) पर्यटकों व बाहरी लोगों द्वारा शोषण
Eg – USA नागरिक का सेंटनलीज द्वीप पर भ्रमण।

2) वनों व मत्स्यन उत्पादन घटने के कारण खाद्य की समस्या।

3) संक्रमण रोगों से प्रभावित।

4) अशिक्षा, अकुशलता की स्थिति।

5) प्रशासन का असंवेदनशील नजरिया।

सरकारी प्रयास

1) जनजातीय मंत्रालय ने PVTG के विकास के लिए विशिष्ट योजना चलायी है।

2) इन क्षेत्रों में Restricted Area Permit लागू किया गया है।

3) अण्डमान सरकार द्वारा PVTG के लिए ट्राइबल रिसर्च संस्थान बनाया है।

PVTG की विशिष्ट संस्कृति को संरक्षित करते हुए उनके विकास के प्रयास किए जाने चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रारूप, 2019 भारत के शिक्षा क्षेत्र को एक नया आकार दे सकता है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Draft National Education Policy, 2019 can give a new shape to India's education sector. Critically examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में के. कस्तूरीरंगन समिति द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 का प्रारूप प्रस्तुत किया गया।

इससे पहले देश में दो राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है।

नई शिक्षा नीति की आवश्यकता क्यों?

1) अब प्रौद्योगिकीयों के माध्यम से शिक्षा के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन आया है।

2) बिगडेटा, आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के अनुसार अब अनुसंधान को अधिक आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3) पूर्व नीतियों से लर्निंग आउटकम बेहतर नहीं आए हैं। जैसे- प्रथम NGO की ASER रिपोर्ट के अनुसार 5वीं कक्षा का बच्चा तीसरी कक्षा का पाठ नहीं पढ़ पाता है।

नई शिक्षा नीति शिक्षा क्षेत्र को नया आकार दे सकती है

1) इसमें तीन वर्ष से छोटे बच्चों की शिक्षा का भी प्रावधान किया गया है। इससे शिक्षा मे नया आयाम जुड़ेगा।

2) इसने RTE 2009 को 12वीं कक्षा तक बढ़ाने का सुझाव दिया है। अतः अब 8वीं से 12वीं कक्षा भी अधिकार के दायरे में आयेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3) अनुसंधानों पर अधिक बल दिया गया है।
4) शिक्षण-प्रशिक्षण पर ध्यान दिया।

आलोचना

1) इसने शिक्षकों के खाली पदों पर विशेष सुझाव नहीं है।
2) निजी शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने का विशेष प्रावधान नहीं किया गया है।
3) वित्तीयन के लिए स्पष्टता का अभाव है।

आवश्यक है कि प्रारूप को नीति का रूप देने से पहले व्यापक विचार-विमर्श के माध्यम किया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. "सामाजिक अंकेक्षण परिकल्पना और वास्तविकता के बीच के अंतर को कम करने में सहायता प्रदान करता है।" इस कथन का परीक्षण कीजिये और भारत में सामाजिक अंकेक्षण को प्रणालीबद्ध करने में आने वाली बाधाओं पर भी चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

"Social audit helps to narrow gaps between vision and reality." Examine the statement and also discuss the impediments in institutionalization of social audit in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में मेघालय सरकार द्वारा सभी सरकारी योजनाओं में सामाजिक अंकेक्षण को अनिवार्य किया गया है।

सामाजिक अंकेक्षण सरकारी कार्यों में जनता की सहभागिता को सुनिश्चित करता है।

परिकल्पना व वास्तविकता में अंतर को कम करने मे सहायता कैसे?

1) अनियमितताओं को कम करके सही लाभार्थी तक ही लाभ पहुँच पाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2) मानकों के अनुसार ही सेवाएँ मिल पाती हैं।

3) भ्रष्टाचार को समय पर उजागर कर अधिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करता है।

4) जनता की सहभागिता बढ़ने से वित्तीय अनियमितताएँ कम हो जाती हैं।

5) समयबद्धता सुनिश्चित होती है।

उपरोक्त प्रावधानों के कारण परिकल्पना व वास्तविकता के बीच की खाई कम हो जाती है।

इसके बावजूद भी सामाजिक अंकेक्षण अभी वास्तविकता नहीं बन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पा रहा है। इसे प्रभावशील करने में निम्नलिखित बाधाएँ आ रही हैं —

1) कानूनी समर्थन का अभाव।
2) जनता में जागरूकता का अभाव।
3) जनता में अंकेक्षण के लिए पर्याप्त कौशल का न होना।
4) अधिकारियों की कमजोर मानसिकता।

अतः अब आवश्यकता है कि मेघालय की तरह अन्य राज्य भी सामाजिक अंकेक्षण को कानूनी समर्थन प्रदान करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. 73वाँ संशोधन अधिनियम पंचायती राज संस्थाओं (पी.आर.आई.) के समक्ष आने वाली प्रणालीगत चुनौतियों को हल करने में नाकाम रहा है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

73rd Amendment Act has failed to address the systemic challenges faced by Panchayati Raj Institutions (PRIs). Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

73वें संशोधन अधिनियम 1973 के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं (PRIs) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।

विशेषताएँ

1) तीन स्तरों (ब्लाक, ग्राम, जिला) पर संरचनात्मक गठन किया गया।

2) नियमित चुनावों का प्रावधान किया गया।

3) 29 विषयों को प्रदान किया गया।

4) महिलाओं व अनुसूचित जाति-जनजातियों को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रणालीगत चुनौतियाँ

1) राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार वित्त का हस्तांतरण नहीं किया जा रहा है।

2) ग्राम सभा की नियमित बैठके आयोजित नहीं होती है।

3) निर्वाचित महिलाओं के पति हस्तक्षेप करते हैं।

4) चुनावों में अपारदर्शिता व धनबल का समाधान नहीं हो पाया है

+ve

1) इसने 33% महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया है लेकिन अब PRIs में महिला प्रतिनिधियों का राष्ट्रीय औसत 44% है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2) लोकतंत्र में लोगों की सहभागिता को बढ़ाया तथा लोकतांत्रिक मूल्यों से अवगत कराया।

3) नियमित रूप से चुनावों का संचालन किया जाता है।

4) ई-शासन के माध्यम से पंचायतों का डिजीटिलीकरण हो रहा है (भारतनेट के द्वारा 2.5 लाख ग्राम पंचायतों को नेटवर्क से जोड़ना)

सभी प्रायोगिक समस्याएँ तो समाप्त नहीं हो सकी हैं अतः 73वें संशोधन की समीक्षा करकर इसे अधिक ~~जनानुकूल~~ जनता के अनुकूल बनाया जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. किसी लोकतंत्र में एक स्वतंत्र और जवाबदेह न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों का सर्वोत्तम संरक्षोपाय है। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

An independent and accountable judiciary is the best safeguard of citizens' rights in a democracy. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संविधान में अनुच्छेद 124 से 147 के मध्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता व जवाबदेहिता के बारे में उपबंध किए गए हैं।

न्यायपालिका स्वतंत्र कैसे है?

1) न्यायधीशों की नियुक्ति केंद्र की सीमित भूमिका है।

2) महाभियोग के माध्यम से राष्ट्रपति के द्वारा ही हटाए जा सकते हैं।

3) वेतन-भत्ते व पेंशन संचित निधि पर आरित होते हैं।

न्यायपालिका जवाबदेह कैसे?

1) संविधान के अनु०-32 के अनुसार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों की रक्षक न्यायपालिका होगी।

2) अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में लोगों को न्याय देने से न्यायपालिका मना नहीं कर सकती।

स्वतंत्र व जवाबदेह न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों का सर्वोत्तम उपाय

1) यदि न्यायपालिका स्वतंत्र है तो वह राज्य के हस्तक्षेप के बिना कार्य करेगी।

2) नागरिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में स्वतः संज्ञान के माध्यम से लोगों के अधिकारों के प्रति जवाबदेह रहेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3) पीड़ितों को मुआवजा दिलाएगी (जैसे उन्नाव रेप पीड़िता को) तथा दोषी को जल्दी सजा सुनिश्चित करेगी।

4) दबाव में काम करने वाली न्यायपालिका सत्ता पक्ष के अनुसार कार्य करती है तथा वह नागरिकों के अधिकारों के प्रति कम उत्तरदायी रह जाती है।

लोकतंत्र में स्वतंत्र व जवाबदेह न्यायपालिका के माध्यम से लोगों के अधिकारों के साथ साथ संघीय संघवाद तथा शक्ति पृथक्करण सिद्धांत की भी रक्षा होती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. स्वयं सहायता समूह गरीबों को सूक्ष्म वित्त सेवाओं के वितरण के लिये सबसे प्रभावी तंत्र के रूप में उभरे हैं। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Self-Help Groups have emerged as the most effective mechanism for delivery of microfinance services to the poor. Critically examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

स्वयं सहायता समूह प्रायः एकसमान आर्थिक स्थिति वाले निर्धन लोगों का समूह होता है जो स्वेच्छा से बचत व निवेश करके सूक्ष्म कार्यों में संलग्न रहते हैं।

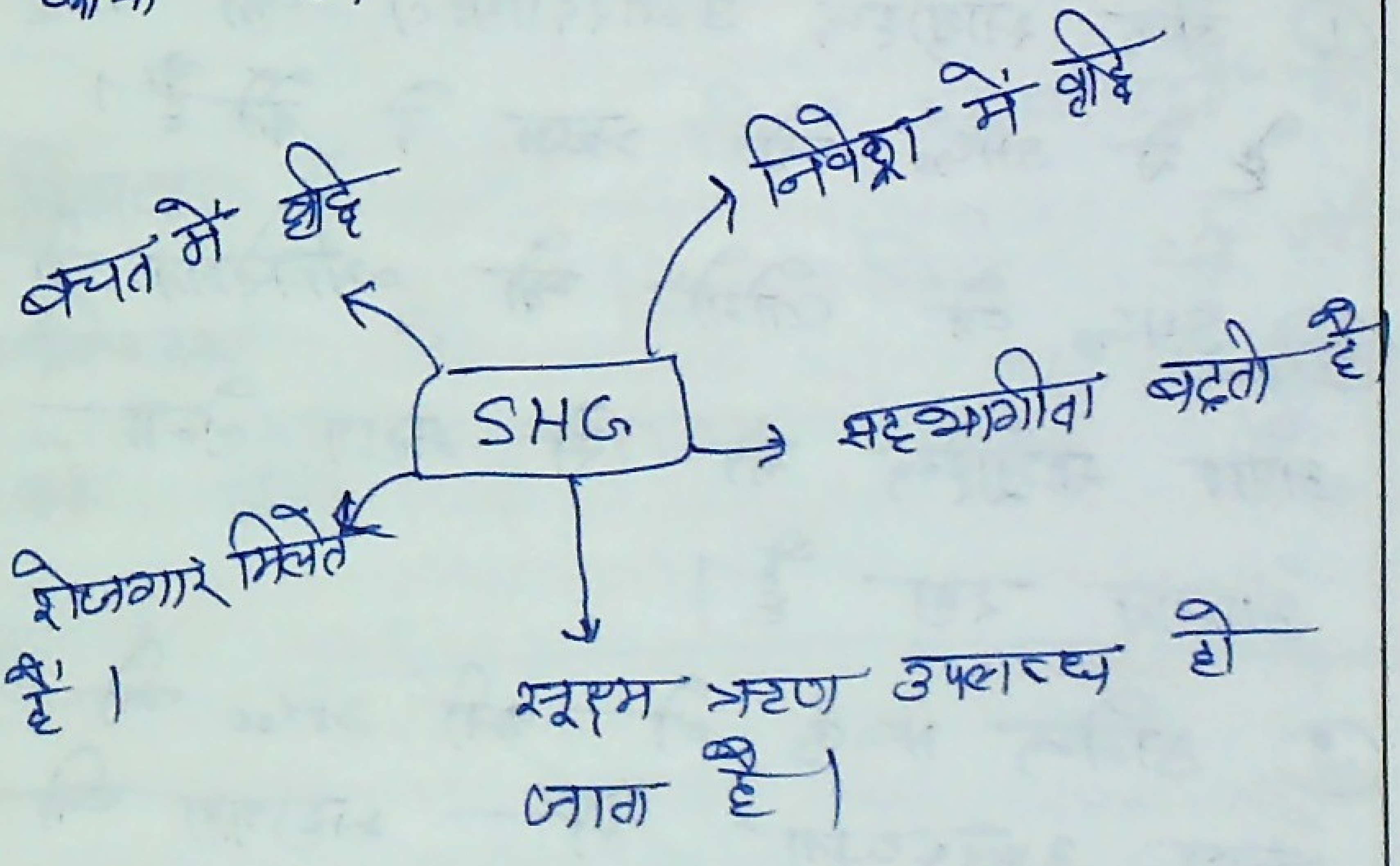

SHGs के फायदे

1) महिलाओं को कार्य करने की प्रवृत्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का विकास हुआ है।

(२) निर्धनों को समय पर ऋण की उपलब्धता।

(३) सहभागिता को बढ़ावा मिला है।

SHGs गरीबों को सूक्ष्म वित्त सेवाओं के वितरण के लिए प्रभावी तंत्र

(+ve)

(१) बैंक सामूहिक उत्तरदायित्व की वजह है से SHGs को ऋण दे देते हैं।

(२) SHGs के लोगों को व्यक्तिगत की अपेक्षा सामूहिक रूप से ऋण लेना आसान रहा है।

(३) अनेक NGOs ने भी SHGs को ऋण उपलब्धता में सहायता की है।

(४) SHG- बैंक लिंकेज प्रोग्राम ने भी वित्त में वृद्धि की है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

-ve

① इस ऋण का समूह के प्रभावशाली व्यक्ति अधिक प्रयोग कर लेते है।

② समय पर ऋण नहीं मिलता।

③ पर्याप्त ऋण की उपलब्धता नहीं हो पाती।

सुझाव

SHGs की सूक्ष्म वित्त सेवाओं के वितरण में आ रही समस्याओं के निवारण के लिए किसी थर्ड पार्टी से सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

16. भारत जैसे देश में आर्थिक प्रगति और राजनीतिक स्थिरता के लिये संतुलित क्षेत्रीय विकास अति आवश्यक है। 'आकांक्षी ज़िलों के परिवर्तन' कार्यक्रम के आलोक में इस कथन की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Balanced regional development is quite essential for economic progress and political stability in a country like India. Discuss the statement in light of 'Transformation of Aspirational Districts' programme. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकार ने समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के लिए देश के 115 जिलों को 'आकांक्षी जिलों के परिवर्तन कार्यक्रम' में शामिल किया है।

आक्सफॉम की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 1% लोगों के पास भारत की 58% संपत्ति है। भारत के महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्यों का देश के निर्यात में 50% से भी ज्यादा योगदान है। अतः भारत में संतुलित क्षेत्रीय विकास नहीं है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आर्थिक प्रगति व राजनीतिक स्थिरता के लिए संतुलित क्षेत्रीय विकास आवश्यक क्यों ?

① असंतुलित क्षेत्रीय विकास पिछड़े राज्यों में असंतोष की भावना पैदा करता है। जिससे नक्सलवाद, उग्रवाद तथा क्षेत्रवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलता है जिससे राजनीतिक स्थिरता प्रभावित होती है।

② आर्थिक प्रगति लोगों के उपभोग पर भी निर्भर करती है। विश्व बैंक के अनुसार अमीर लोग उपभोग पर कम पैसा खर्च करने की प्रवृत्ति रखते हैं। यदि संतुलित विकास नहीं होगा तो इससे देश का आर्थिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विकास भी प्रभावित होगा।

3) विदर्भ, गोरखालैण्ड जैसे पिछड़े क्षेत्र राजनीतिक स्थिरता को चुनौती दे सकते है।

आकांक्षी जिलों के परिवर्तन-कार्यक्रम का उद्देश्य पिछले जिलों में शिक्षा, कौशल, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि करके दीर्घकालिक रूप से देश की आर्थिक प्रगति व राजनीतिक स्थिरता को ही सुनिश्चित करना है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) भारत की 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति को आगे बढ़ाने का एक संभावित मंच है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Shanghai Cooperation Organization (SCO) is a potential platform to advance India's 'Connect Central Asia' policy. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में भारत को शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की पूर्ण सदस्यता प्राप्त हुई।

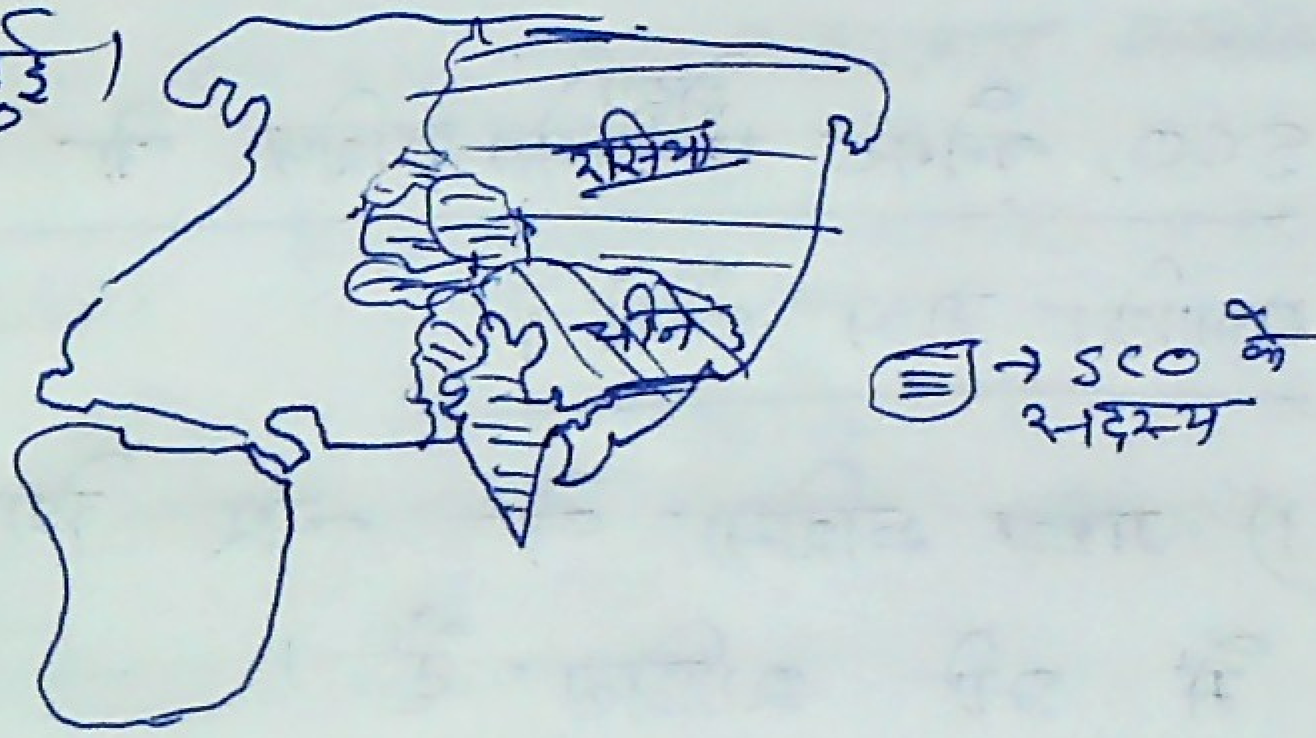

भारत ने मध्य एशिया के पाँच देशों (कजाखिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गिस्तान, —) से सम्बंधों को बढ़ावा देने के लिए 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति को लागू किया था।

मध्य एशिया के इन पाँच देशों में से चार देश SCO

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के भी सदस्य हैं। अतः SCO के माध्यम से निश्चित रूप से भारत अपनी 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति को बढ़ाना चाहता है।

SCO, कनेक्ट ~~समावेश~~ सेंट्रल एशिया को बढ़ाने का संभावित मंच कैसे?

1) मध्य एशिया के चार देश SCO में भी शामिल हैं।

2) मध्य एशिया में चीन-रूस व पाकिस्तान का भी प्रभाव है। अतः इन देशों के साथ मिलकर कार्य करने से मध्य एशिया से और अधिक सम्बन्ध अच्छे होंगे।

3) SCO के माध्यम से सैन्य अभ्यास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(RATS) में भी सहभागिता बढ़ेगी।

4) SCO की वार्षिक मीटिंग में मध्य एशिया के देशों के शासकों से प्रतिवर्ष मिलने का मौका मिलेगा।

5) सरकार ने INSTC, अश्गाबाद समझौते के माध्यम से भी कनेक्ट सेंट्रल एशिया नीति को बढ़ाने का प्रयास किया है।

सुझाव

1) ऊर्जा सुरक्षा के लिए SCO व सेंट्रल एशिया नीति को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। eg- तापी पाइपलाइन।

2) रूस-चीन के साथ सम्बंधों को बेहतर करने के लिए भी SCO आवश्यक है।

अतः भारत को SCO के माध्यम से दोनों हितों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. दक्षिण एशिया में सहयोग को बढ़ाने में सार्क की विफलता ने क्षेत्रीय देशों को बिम्सटेक के रूप में एक व्यावहारिक विकल्प तलाशने हेतु प्रेरित किया है। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The failure of SAARC to nurture cooperation in South Asia has pushed regional players to explore BIMSTEC as a viable alternative. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2016 के पठानकोट हमले के बाद सार्क की बैठक को स्थगित कर दिया गया था।

इसकी स्थापना के बाद से भी प्रतिवर्ष इसका सम्मेलन आयोजित नहीं किया जा सका।

सार्क की विफलता के कारण

1) पाकिस्तान द्वारा क्षेत्र में आतंकवाद बढ़ाने के कारण।

2) सार्क सम्मेलन में द्विपक्षीय मुद्दों के कारण सहमति नहीं बन पाती।

3) मोटर व्हिकल एक्ट पर पाकिस्तान का अड़ियल रुख।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4) सीमा विवादों व जल-सीमा विवादों ने भी इसकी विफलता को बढ़ाया है।

सार्क की विफलता के बाद से बिम्सटेक एक अपरिहार्य विकल्प के रूप में उभरा है—

1) अफगानिस्तान व पाकिस्तान को छोड़कर सार्क के सदस्य बिम्सटेक के भी सदस्य हैं।

2) यह दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया में भी सहयोग बढ़ाने में भूमिका निभायेगा।

3) बिम्सटेक के सदस्यों के मध्य द्विपक्षीय विवाद कम हैं तथा सहयोग के अनेक क्षेत्र हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत की रणनीति

1) सरकार ने पद ग्रहण समारोह में बिम्सटेक के सदस्यों को बुलाकर संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया है।

2) सार्क की वार्ताओं को भी पुनः चालू करना चाहिए परन्तु बिम्सटेक के माध्यम से दक्षिण एशिया सहयोग पर अधिक ध्यान दिया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. भारत के लिये क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आर.सी.ई.पी.) का क्या महत्त्व है? विशेष रूप से चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौते के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये इसके निहितार्थ का परीक्षण कीजिये।
(250 शब्द) 15

What is the significance of Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP) for India? Examine its implications for the Indian economy especially in the context of free trade agreement with China.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षेत्रीय आर्थिक विकास समझौता (RCEP)

आसियान के 10 देशों तथा भारत, चीन, जापान, द० कोरिया, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड के मध्य एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता है।

RCEP का महत्व

① यह WTO के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक संगठन होगा।

② इन देशों के मध्य सेवाओं व वस्तुओं के व्यापार में वृद्धि करेगा।

③ भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी को फायदा होगा।

④ निवेश में वृद्धि होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए RCEP के निहितार्थ :

1) इससे उद्योगों, सेवाओं, पेटेंटों तथा खाद्य सुरक्षा में वृद्धि हो सकती है।

2) कुशल लोगों के मुक्त आवागमन को बढ़ावा मिलेगा जिससे रेमिटेंस में वृद्धि होगी।

3) भारतीय सेवाओं के लिए आसियान देशों के बाजार में वृद्धि होगी।

चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौते के सम्बंध में RCEP का भारत के लिए निहितार्थ

1) चीन के साथ भारत का सर्वोच्च व्यापारिक घाटा है (40 b $)। RCEP के माध्यम से चीनी वस्तुओं की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय बाजारो में और अधिक पहुंच बढ़ जायगी। अतः भारतीय उद्योग प्रभावित होंगे व व्यापारिक घाटा भी बढ़ेगा।

सुझाव

1) चीन के साथ 80% तक वस्तुओं को लेकर मुक्त व्यापार समझौता क्या जा सकता है।

2) भारत को अपनी वस्तुओं व सेवाओं के लिए भी बाजार पहुंच बढ़ाने चाहिये।

3) भारत को चीन में अधिक आर्थिक गलियारे खोलने चाहिये।

RCEP में यदि भारत के पक्षों पर ध्यान दिया जाता है तो यह निश्चित रूप से लाभदायी साबित हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. निरंतर हठधर्मिता दिखाते चीन के साथ संबंधों को बनाए रखना भारतीय विदेश नीति की प्रमुख चुनौतियों में से एक के रूप में उभरा है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Dealing with an increasingly assertive China has emerged as one of the principal challenges of Indian foreign policy. Discuss in the context of China's growing influence in South Asian region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

डोकलाम विवाद के समय भारत-चीन के मध्य सम्बंधों में टकराहट पैदा हुई।

चीन की निरंतर हठधर्मिता

1) चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश को अपना भू-भाग बता रहा है।

2) 'स्ट्रिंग आफ पर्ल' नीति के माध्यम से भारत को घेरने का प्रयास कर रहा है।

3) 'भारत-चीन आर्थिक गलियारा' के द्वारा भारत की संप्रभुता का उल्लंघन किया

4) मसूद अज़हर को लेकर UNSC-1267 प्रस्ताव पर बाधा पहुँचायी थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार चीन के साथ संबंध भारतीय विदेश नीति के समक्ष प्रमुख चुनौतियों में से एक है।

भारतीय विदेश नीति के समक्ष अन्य चुनौतियाँ

1) USA व रूस के मध्य संबंधों में संतुलन बनाना।

2) ईरान-USA व चीन के मध्य बढ़ती टकराहट में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखना।

3) हिन्द महासागर में अपने हितों को सुरक्षित रखना।

दक्षिण एशिया में चीन का बढ़ता प्रभाव

1) चीन के द्वारा बांग्लादेश तथा श्रीलंका में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2) नेपाल के साथ संचार व्यवस्था व रेलवे निवेश समझौते।

3) भारत व भूटान को छोड़कर दक्षिण एशिया के सभी देश OBOR में शमिल हो गए हैं।

सुझाव

1) चीन भारत का पड़ोसी है अतः भारत-चीन को मिलकर 21वीं सदी को एशिया की सदी बनाने का प्रयास करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation